चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Savera Times	20.02.2024	--	--

HAU signs MOU with Gujarat Seed Company

@TheSaveraTimes
Network

Hisar: The improved varieties of millet developed by Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University will now spread their flag not only in Haryana but also in other states of the country. For this, the University has signed a Memorandum of Understanding with a renowned seed company of Gujarat to promote technical commercialization under Public Private Partnership.Vice Chancellor of the University Prof. B.R. Kamboj said that unless the research done by the university scientists reaches the farmers, it is of no benefit. Therefore, through such agreements, the university is trying to make the advanced crop varieties and technologies developed here available to as many farmers as possible. Under the above agreement, the company will prepare the seeds of hybrid HHB 67 Advanced 2 millet variety developed by the university and deliver it to the farmers so that they can get reliable seeds of this variety and their production can increase. The Vice Chancellor said that usually a variety remains famous among the farmers only for 8 to 10 years and after this other varieties come, but HHB 67 has maintained its dominance for the last 30 years.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	20.2.24	3	6-8

हकृवि की बाजरे की उन्नत किस्म से किसानों को होगा फायदा : प्रो. बीआर काम्बोज

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की उन्नत किस्में अब न केवल हरियाणा बल्कि देश के अन्य प्रदेशों में भी अपना परचम लहराएंगी। इसके लिए विश्वविद्यालय ने पब्लिक प्राइवेट पार्टनशिप तहत तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए गुजरात की नामी बीज कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि जब तक विज्ञानिकों द्वारा किया गया शोध किसानों तक नहीं पहुंचेगा तब तक उसका कोई लाभ नहीं है। इसलिए इस तरह के समझौतों से प्रयास है कि यहां विकसित उन्नत फसल किस्मों व तकनीकों को किसानों तक पहुंचाया जा सके। उपरोक्त समझौते तहत विवि द्वारा विकसित बाजरे की उन्नत किस्म हाईब्रिड एचएचबी 67 उन्नत दो का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि उन्हें इस किस्म का विश्वसनीय बीज मिल सके और उनकी पैदावार में इजाफा हो सके। कुलपति ने बताया कि आमतौर पर एक किस्म किसानों के बीच 8 से 10 वर्षों तक ही प्रसिद्ध रहती है और इसके बाद दूसरी किस्में आ जाती हैं लेकिन एचएचबी 67 पिछले 30 वर्षों से अपना वर्चस्व कायम किए हुए है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से ओएसडी डा. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डा. संदीप आर्य, एसवीसी कपिल, डा. देवव्रत यादव, आइपीआर सेल के प्रभारी डा. विनोद सांगवान सहित अन्य उपस्थित रहे।

- विश्वविद्यालय का गुजरात की कंपनी से हुआ समझौता
- एक किस्म किसानों के बीच 8 से 10 वर्षों तक रहती है प्रसिद्ध

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज, कंपनी के अधिकारी और विश्वविद्यालय के अधिकारी। • पीआरओ

इस कंपनी के साथ हुआ समझौता

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. एसके पाहुजा ने हस्ताक्षर किए। गुजरात की नंदी सीड्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के साथ बाजरे की किस्म हाईब्रिड एचएचबी 67 उन्नत दो के लिए समझौता ज्ञापन पर कंपनी की तरफ से किशन दुम्पेता व डा. विष्णु अमेटा ने हस्ताक्षर किए हैं।

किसानों तक बीज पहुंचाना होगा आसान

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. मंजू महता ने बताया कि समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस फीस अदा करेगी। जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा। इसके बाद किसानों को भी इस उन्नत किस्म का बीज मिल सकेगा। बाजरे का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी।

बाजरे की किस्मों की विशेषताएं

बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डा. अनिल कुमार ने बताया कि एचएचबी 67 उन्नत-2 किस्म पहले वाली किस्म एचएचबी 67 उन्नत का अधिक उन्नत रूप है, जिसे जोगिया रोग के लिए सुधारा गया है। किस्म डाउनी मिलडियु के तीन रोगरोधी तत्वों को एकत्रित करके मार्कर एसिसटड सिलेक्शन तकनीक से सुधारी गई है। किस्म जोगिया रोग के लिए 58 प्रतिशत से अधिक रोगरोधी है व दाने की पैदावार भी 16 प्रतिशत तक अधिक है। किस्म को हकृवि एवं आइसीआरआइएसएटी के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित किया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	20.2.24	12	2-6

एचएयू का गुजरात की नंदी सीड्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी से हुआ समझौता

बाजरे की उन्नत किस्म हाइब्रिड एचएचबी 67 उन्नत-2 से किसानों को होगा फायदा

कुलपति ने बताया कि आमतौर पर एक किस्म किसानों के बीच 8 से 10 वर्षों तक ही प्रसिद्ध रहती है और इसके बाद दूसरी किस्में आ जाती है लेकिन एचएचबी 67 पिछले 30 वर्षों से अपना वर्चस्व कायम किए हुए है।

हिसार। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज, कंपनी के अधिकारी और विश्वविद्यालय के अधिकारीगण। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की उन्नत किस्में अब न केवल हरियाणा बल्कि देश के अन्य प्रदेशों में भी अपना परचम लहराएंगी। इसके लिए विश्वविद्यालय ने पब्लिक प्राइवेट पार्टनशिप के तहत तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए गुजरात की नामी बीज कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने सोमवार को कहा कि जब तक विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किया गया शोध किसानों तक नहीं पहुंचेगा तब तक उसका कोई लाभ नहीं है। इसलिए इस तरह के समझौतों से विश्वविद्यालय का प्रयास है कि यहां विकसित उन्नत फसल किस्मों व तकनीकों को अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाया जा सकें। समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की उन्नत किस्म हाइब्रिड एचएचबी 67 उन्नत-2 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि उन्हें इस किस्म का विश्वसनीय बीज मिल सकें और उनकी पैदावार में इजाफा हो सकें। कुलपति ने बताया कि आमतौर पर एक किस्म किसानों के बीच 8 से 10 वर्षों तक ही प्रसिद्ध रहती है और इसके बाद दूसरी किस्में आ जाती है लेकिन एचएचबी 67 पिछले 30 वर्षों से अपना वर्चस्व कायम किए हुए है।

इस कंपनी के साथ समझौता

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने हस्ताक्षर किए। गुजरात की नंदी सिड्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के साथ बाजरे की किस्म हाइब्रिड एचएचबी 67 उन्नत 2 के लिए समझौता ज्ञापन पर कंपनी की तरफ से किशन दुम्पेता व डॉ. विष्णु अमेटा ने हस्ताक्षर किए है।

किसानों तक बीज पहुंचाना होगा आसान

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजू महता ने बताया कि समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस फीस अदा करेगी, जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपण्णन करने का अधिकार प्राप्त होगा। इसके बाद किसानों को भी इस उन्नत किस्म का बीज मिल सकेगा। बाजरे का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि किसानों को इस किस्म का विश्वसनीय बीज मिल सके और उनकी पैदावार में इजाफा हो सके।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, एसवीसी कपिल अरोड़ा, डॉ. देवव्रत यादव, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. विनोद सांगवान सहित अन्य उपस्थित रहे।

बाजरे की किस्मों की विशेषताएं

बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि एचएचबी 67 उन्नत-2 किस्म पहले वाली किस्म एचएचबी 67 उन्नत का अधिक उन्नत रूप है, जिसे जोगिया रोग के लिए सुधारा गया है। यह किस्म डाउनी मिलडियु के तीन रोगरोधी तत्वों को एकत्रित करके मार्कर एसिसटड सिलेक्शन तकनीक से सुधारी गई है। यह किस्म जोगिया रोग के लिए 58 प्रतिशत से अधिक रोगरोधी है एवं इसके दाने की पैदावार भी 16 प्रतिशत तक अधिक है। इस किस्म को हकृवि एवं आईसीआरआईएसएटी के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित किया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	20.2.26	3	3-5

• विवि का गुजरात की नंदी सीड्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी से **समझौता**

हकृवि की बाजरे की किस्म हाईब्रिड एचएचबी 67 उन्नत 2 से किसानों को होगा फायदा : प्रो. काम्बोज

भास्कर न्यूज | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की उन्नत किस्में अब न केवल हरियाणा बल्कि देश के अन्य प्रदेशों में भी अपना परचम लहराएंगी। इसके लिए विश्वविद्यालय ने पब्लिक प्राइवेट पार्टनशिप के तहत तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए गुजरात की नामी बीज कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि जब तक विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किया गया शोध किसानों तक नहीं पहुंचेगा तब तक उसका कोई लाभ नहीं है। इसलिए इस तरह के समझौतों से विश्वविद्यालय का प्रयास है कि यहां विकसित उन्नत फसल किस्मों व तकनीकों को अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाया जा सके। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की उन्नत किस्म हाईब्रिड एचएचबी 67 उन्नत 2 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि उन्हें इस किस्म का विश्वसनीय बीज मिल सकें और उनकी पैदावार में इजाफा हो सके। कुलपति ने बताया कि आमतौर पर एक किस्म किसानों के बीच 8 से 10 वर्षों तक ही प्रसिद्ध रहती है लेकिन एचएचबी 67 पिछले 30 वर्षों से अपना वर्चस्व कायम किए हुए है। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने हस्ताक्षर किए। गुजरात की नंदी सीड्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की तरफ से किशन दुम्पेता व डॉ. विष्णु अमेटा ने हस्ताक्षर किए है। इस अवसर पर एचएयू की ओर से ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, एसवीसी कपिल अरोड़ा, डॉ. देवव्रत यादव, डॉ. विनोद सांगवान उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	20.2.24	5	2-5

हकृवि की बाजरे की उन्नत किस्म हाईब्रिड एचएचबी 67 उन्नत 2 से किसानों को होगा फायदा : प्रो. बी.आर. काम्बोज

विश्वविद्यालय का गुजरात की नंदी सिड्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी से हुआ समझौता

हिसार, 19 फरवरी (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की उन्नत किस्में अब न केवल हरियाणा बल्कि देश के अन्य प्रदेशों में भी अपना परचम लहराएंगी। इसके लिए विश्वविद्यालय ने पब्लिक प्राइवेट पार्टनशिप के तहत तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए गुजरात की नामी बीज कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि जब तक विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किया गया शोध किसानों तक नहीं पहुंचेगा तब तक उसका कोई लाभ नहीं है। इसलिए इस तरह के समझौतों से विश्वविद्यालय का प्रयास है कि यहां विकसित उन्नत फसल किस्मों व तकनीकों को अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाया जा सकें। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की उन्नत किस्म हाईब्रिड एचएचबी 67 उन्नत 2 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि उन्हें इस किस्म का विश्वसनीय बीज मिल सकें और उनकी पैदावार में इजाफा हो सकें। कुलपति ने बताया कि आमतौर पर एक किस्म किसानों के बीच 8 से 10 वर्षों तक ही प्रसिद्ध रहती है और इसके बाद दूसरी किस्में आ जाती है लेकिन एचएचबी 67 पिछले 30 वर्षों से अपना वर्चस्व कायम किए हुए है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के.पाहुजा ने हस्ताक्षर किए। गुजरात की नंदी सिड्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के साथ बाजरे की किस्म हाईब्रिड एचएचबी 67 उन्नत 2 के लिए समझौता ज्ञापन पर कंपनी की तरफ से श्री किशन दुम्पेता व डॉ. विष्णु अमेटा ने हस्ताक्षर किए है। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजू महता ने बताया कि समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस फीस अदा करेगी, जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपण्णन करने का अधिकार प्राप्त होगा। इसके बाद किसानों को भी इस उन्नत किस्म का बीज मिल सकेगा। बाजरे का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि किसानों को इस किस्म का विश्वसनीय बीज मिल सके और उनकी पैदावार में इजाफा हो सके। बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि एचएचबी 67 उन्नत-2 किस्म पहले वाली किस्म एचएचबी 67 उन्नत का अधिक उन्नत रूप है, जिसे जोगिया रोग के लिए सुधारा गया है। यह किस्म डाउनी मिलड्यिु के तीन रोगरोधी तत्वों को एकत्रित करके मार्कर एसिसटड सिलेक्शन तकनीक से सुधारी गई है। यह किस्म जोगिया रोग के लिए 58 प्रतिशत से अधिक रोगरोधी है एवं इसके दाने की पैदावार भी 16 प्रतिशत तक अधिक है। इस किस्म को हकृवि एवं आईसीआरआईएसएटी के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित किया गया है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, एसवीसी कपिल अरोड़ा, डॉ. देवव्रत यादव, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. विनोद सांगवान सहित अन्य उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	20.2.24	4	1-4

हकृवि की बाजरे की उन्नत किस्म से किसानों को होगा फायदा : प्रो. काम्बोज

हिसार, 19 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की उन्नत किस्में अब न केवल हरियाणा बल्कि देश के अन्य प्रदेशों में भी अपना परचम लहराएंगी। इसके लिए विश्वविद्यालय ने पब्लिक प्राइवेट पार्टनशिप के तहत तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए गुजरात की नामी बीज कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि जब तक विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किया गया शोध किसानों तक नहीं पहुंचेगा तब तक उसका कोई लाभ नहीं है। इसलिए इस तरह के समझौतों से विश्वविद्यालय का प्रयास है कि यहां विकसित उन्नत फसल किस्मों व तकनीकों को अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाया जा सकें। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की उन्नत किस्म हाईब्रिड एचएचबी 67 उन्नत 2 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि उन्हें इस किस्म का विश्वसनीय बीज मिल सकें और उनकी पैदावार में इजाफा हो सकें।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज, कंपनी के अधिकारी और विश्वविद्यालय के अधिकारीगण।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, एस.वी.सी. कपिल अरोड़ा, डॉ. देवव्रत यादव, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. विनोद सांगवान सहित अन्य उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	20.2.24	4	5-6

बाजरे की हाईब्रिड किस्म के लिए एचएयू ने किया एमओयू

एचएयू में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज, कंपनी के अधिकारी व विवि के अधिकारीगण। स्रोत: संस्थान

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने अपनी बाजरे की किस्म को लेकर गुजरात की नंदी बीज कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। एचएयू की हाईब्रिड एचएचबी 67 उन्नत 2 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी, ताकि उन्हें इस किस्म का विश्वसनीय बीज मिल सकें, उनकी पैदावार में इजाफा हो सकें। कुलपति ने बताया कि एचएचबी 67 पिछले 30 वर्षों से अपना वर्चस्व कायम किए हुए है। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज की उपस्थिति में विवि की ओर से समझौता ज्ञापन पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने हस्ताक्षर किए। गुजरात की नंदी सीड्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के साथ बाजरे की किस्म हाईब्रिड एचएचबी 67 उन्नत 2 के लिए समझौता ज्ञापन पर कंपनी की तरफ से किशन दुम्मेता, डॉ. विष्णु अमेटा ने हस्ताक्षर किए हैं। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	20-2-24	4	3-4

बाजरे की विकसित किस्म हेतु हकृवि ने कंपनी से किया एमओयू साइन

हिसार, 19 फरवरी (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की उन्नत किस्में अब न केवल हरियाणा बल्कि देश के अन्य प्रदेशों में भी अपना परचम लहराएंगी। इसके लिए विश्वविद्यालय ने पब्लिक प्राइवेट पार्टनशिप के तहत तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए गुजरात की नामी बीज कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि जब तक विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किया गया शोध किसानों तक नहीं पहुंचेगा तब तक उसका कोई लाभ नहीं है। इसलिए इस तरह के समझौतों से विश्वविद्यालय का प्रयास है कि यहां विकसित उन्नत फसल किस्मों व तकनीकों को अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाया जा सके। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की उन्नत किस्म हाईब्रिड एचएचबी 67 उन्नत 2 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि उन्हें इस किस्म का विश्वसनीय बीज मिल सके और उनकी पैदावार में इजाफा हो सकें। कुलपति ने बताया कि आमतौर पर एक किस्म किसानों के बीच 8 से 10 वर्षों तक ही प्रसिद्ध रहती है और इसके बाद दूसरी किस्में आ जाती हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	19.02.2024	--	--

हकृवि की बाजरे की उन्नत किस्म हाईब्रिड एचएचबी 67 उन्नत 2 से किसानों को होगा फायदा : प्रो. बी.आर. काम्बोज

विश्वविद्यालय का गुजरात की नंदी सिड्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी से हुआ समझौता

हिसार (चिराग टाइम्स)

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की उन्नत किस्में अब न केवल हरियाणा बल्कि देश के अन्य प्रदेशों में भी अपना परचम लहराएंगी। इसके लिए विश्वविद्यालय ने पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए गुजरात की नामी बीज कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि जब तक विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किया गया शोध किसानों तक नहीं पहुंचेगा तब तक उसका कोई लाभ नहीं है। इसलिए इस तरह के समझौतों से विश्वविद्यालय का प्रयास है कि यहां विकसित उन्नत फसल किस्मों व तकनीकों को अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाया जा सकें। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की उन्नत किस्म हाईब्रिड एचएचबी 67 उन्नत 2 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि उन्हें इस किस्म का विश्वसनीय बीज मिल सकें और उनकी पैदावार में इजाफा हो सकें। कुलपति ने बताया कि आमतौर पर एक किस्म किसानों के बीच 8 से 10 वर्षों तक ही प्रसिद्ध रहती है और इसके बाद दूसरी किस्में आ जाती है लेकिन एचएचबी 67 पिछले 30 वर्षों से अपना वर्चस्व कायम किए हुए है। इस कंपनी के साथ हुआ समझौता

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के.पाहुजा ने हस्ताक्षर किए। गुजरात की नंदी सिड्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के साथ बाजरे की किस्म हाईब्रिड एचएचबी 67 उन्नत 2 के लिए समझौता ज्ञापन पर कंपनी की तरफ से श्री किशन दुम्पेता व डॉ. विष्णु अमेटा ने हस्ताक्षर किए हैं।

किसानों तक बीज पहुंचाना होगा आसान

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजू महता ने बताया कि समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस फीस अदा करेगी, जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा। इसके बाद किसानों को भी इस उन्नत किस्म का बीज मिल सकेगा। बाजरे का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि किसानों को इस किस्म का विश्वसनीय बीज मिल सके और उनकी पैदावार में इजाफा हो सके।

यह है बाजरे की किस्मों की विशेषताएं

बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि एचएचबी 67 उन्नत-2 किस्म पहले वाली किस्म एचएचबी 67 उन्नत का अधिक उन्नत रूप है, जिसे जोगिया रोग के लिए सुधारा गया है। यह किस्म डाउनी मिलडियु के तीन रोगरोधी तत्वों को एकत्रित करके मार्कर एसिसटेड सिलेक्शन तकनीक से सुधारी गई है। यह किस्म जोगिया रोग के लिए 58 प्रतिशत से अधिक रोगरोधी है एवं इसके दाने की पैदावार भी 16 प्रतिशत तक अधिक है। इस किस्म को हकृवि एवं आईसीआरआईएसएटी के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित किया गया है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, एसवीसी कपिल अरोड़ा, डॉ. देवव्रत यादव, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. विनोद सांगवान सहित अन्य उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	19.02.2024	--	--

हकृवि का गुजरात की नंदी सिड्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी से हुआ समझौता

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की उन्नत किस्में अब न केवल हरियाणा बल्कि देश के अन्य प्रदेशों में भी अपना परचम लहराएंगी। इसके लिए विश्वविद्यालय ने पब्लिक प्राइवेट पार्टनशिप के तहत तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए गुजरात की नामी बीज कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए है।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि जब तक विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किया गया शोध किसानों तक नहीं पहुंचेगा तब तक उसका कोई लाभ नहीं है। समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की उन्नत किस्म हाईब्रिड एचएचबी 67 उन्नत 2 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के.पाहुजा ने हस्ताक्षर किए। गुजरात की नंदी सिड्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के साथ बाजरे की किस्म हाईब्रिड एचएचबी 67 उन्नत 2 के लिए समझौता ज्ञापन पर कंपनी की तरफ से श्री किशन दुम्पेता व डॉ. विष्णु अमेटा ने हस्ताक्षर किए है। इस अवसर पर डॉ. अतुल ढींगड़ा, डॉ. संदीप आर्य, कपिल अरोड़ा, डॉ. देवव्रत यादव, डॉ. विनोद सांगवान सहित अन्य उपस्थित रहे।